भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
वार्षिक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर
23–25 अप्रैल, 2022, ट्रेनर– आशीष शर्मा, कोर आफिसर, सेण्ट जॉन एम्बूलेन्स

दिनांक 23 से 25 अप्रैल के मध्य एस0एफ0ए0 हेतु तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में 30 प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण पूर्ण किया। प्रशिक्षण डॉ0 राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सेण्ट जॉन एम्बूलेन्स बिग्रेड के कोर आफिसर आशीष शर्मा द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन डॉ० आलोक अग्रवाल, सदस्य प्रबन्ध समिति एवं प्रो० रवीन्द्र कुमार, प्राचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा द्वारा किया गया।

डॉ० आलोक अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि रेड क्रास को प्राथमिक चिकित्सा पर बल देना चाहिये जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं से प्राथमिक उपचार करके पीड़ितों की जान बचायी जा सके। कोविड के दौरान उन्होंने प्रतिदिन मानसिक रूप से हतोत्साहित लगभग 150–200 लोगों को फोन पर परामर्श दिया और कहा कि जो लोग मानसिक रूप से मजबूत रहे उनकी जान बच गयी और जो लोग मानसिक रूप से हतोत्साहित हो गये उनमें से अधिकांश लोगों की जान चली गयी। उन्होंने रेड क्रास इकाई द्वारा बनाये गये सेल्फी बूथ में अपनी सेल्फी भी ली और रक्त दान हेतु हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा भी लिया।

आज के प्रशिक्षण में रेड क्रास का गठन, सामान्य जीवन रक्षक तकनीकी, प्राथमिक उद्देश्य, प्राथमिक चिकित्सक व उनके गुण, प्राथमिक चिकित्सा व उसके सुनहरे नियम, आपातकालीन घटना से निपटने के उपाय, मनोवैज्ञानिक व मनोसामाजिक प्राथमिक चिकित्सा, रक्तदान का महत्व व आवश्यकता और मानव शरीर–संगठन आदि के बारे में बताया गया।

शिविर के दूसरे दिन शरीर संरचना तथा रक्त संचरण के विषय में समझाया गया। इसके पश्चात कृत्रिम श्वसन, मरीज का परिवहन तथा घाव का प्राथमिक उपचार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मरीज के परिवहन का प्रशिक्षण देते हुये प्रशिक्षक आशीष शर्मा ने इसकी अनेक विधियों यथा अकेले होने पर मरीज को पीठ पर लाद कर ले जाना, गोद में ले जाना या स्वयं को बैसाखी की तरह बनाकर मरीज को ले जाना, दो सहायक होने पर हाथों को सीट बनाकर, एक व्यक्ति आगे और दूसरा व्यक्ति पीछे रहकर या कुर्सी का प्रयोग करके, अधिक सहायक होने पर हाथों की खाट बनाकर या स्कार्फ की सहायता से या शर्ट का स्ट्रेचर बनाकर मरीज के परिवहन का प्रदर्शन किया।

कृत्रिम श्वसन का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें किसी व्यक्ति की धड़कन या सांस रूक जाने पर सी0पी0आर0 विधि द्वारा बेहोश व्यक्ति को सांसे दी जाती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलती है और साँस वापस आने तक या दिल की धड़कन सामान्य होने तक छाती को विशेष प्रकार से दबाया जाता है जिससे शरीर में पहले से मौजूद ऑक्सीजन वाला रक्त संचारित होता रहता है। लेकिन इसका प्रयोग केवल प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है।

शिविर के तीसरे दिन पट्टियों के प्रकार और उसे विभिन्न चोट की स्थितियों में बाँधने की विधि समझाई गई। इसके पश्चात मरीज का परिवहन तथा घाव का प्राथमिक उपचार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मरीज के परिवहन करने के तरीके और जलने के प्रकार और उसके उपचार तथा जानवरों के काटने पर प्राथमिक उपचार करने के बारे में बताया गया। कृत्रिम श्वसन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

शिविर के समापन में मुख्य अतिथि डॉ0 आलोक अग्रवाल, सदस्य प्रबंध समिति श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा, डॉ0 राजेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष, जनपदीय रेड क्रॉस गोण्डा और श्री अफजल, सदस्य, जनपदीय रेड क्रॉस सोसायटी गोण्डा उपस्थिति रहे। स्वंसेवकों ने विगत तीन दिनों में जो कुछ भी सीखा उसका संक्षिप्त प्रदर्शन अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रो0 रवीन्द्र कुमार, प्राचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा ने स्वयंसेवकों को अपना आशीर्वाद देते हुए बताया कि स्वयंसेवकों को हमेशा मानव सेवा के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

शिविर के दौरान **भारतीय रेड क्रॉसः सोसायटी एक परिचय** विषय पर निबंध का आयोजन किया गया जिसमें रिंकी को प्रथम, बीना को द्वितीय और ज्योति गौतम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। **मरीज का परिवहन** विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता हुई जिसमें मधु तिवारी को प्रथम, खुशबू यादव को द्वितीय और रीना को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिसके लिए अतिथियों ने सभी स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का फीडबैक दुर्गा देवी चौहान, शालिनी मौर्य और महेश तिवारी ने दिया। शिविर के संचालन में संदीप कुमार मिश्र व अन्य पूर्व स्वयंसेवकों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

प्राथमिक उपचार सीख रहे रेडक्रॉस के विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोंडा के एलबीएस महाविद्यालय में प्राथमिक उपचार के गुर सीखती रेडक्रॉस की छात्राएं।

गोंडा। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में छात्र-छात्राओं को प्राथमिक उपचार के गुर सिखाए गए। वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के कोर ऑफिसर आशीष शर्मा ने प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने शरीर संरचना तथा रक्त संचरण के विषय में समझाते हुए बताया कि इनका ज्ञान प्राथमिक चिकित्सा करने के लिए अनिवार्य है। कृत्रिम श्वसन, तथा घाव का प्राथमिक उपचार विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि अकेले होने पर मरीज को पीठ पर लाद कर ले जाना, गोद में ले जाना या स्वयं को बैसाखी की तरह बनाकर मरीज को ले जाना, दो सहायक होने पर हाथों को सीट बनाकर, एक व्यक्ति आगे और दूसरा व्यक्ति पीछे रहकर या कुर्सी का प्रयोग करके, अधिक सहायक होने पर हाथों की खाट बनाकर या स्कार्फ की सहायता से मरीजों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया जा सकता है। कृत्रिम श्वसन का प्रशिक्षण देते हुए बताया गया कि किसी व्यक्ति की धड़कन या सांस रुक जाने पर सीपीआर विधि से बेहोश व्यक्ति को सांसे दी जाती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलती तथा सांस वापस आने तक या दिल की धड़कन सामान्य होने तक छाती को विशेष प्रकार से दबाया जाता है। रेड क्रास प्रभारी डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि भारत में प्राथमिक चिकित्सा के अभाव में अनेक व्यक्ति असमय काल के मुंह में समा जाते हैं। उन्होंने आवश्यकता महसूस करते हुए बताया कि प्रत्येक नागरिक को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र, डॉ. ममता शुक्ला, संदीप कुमार मिश्र, अभिजीत, पूनम, सौरभ आदि मौजूद रहे।

परोपकार उस एफडी की तरह जो लगातार बढ़ती जाती है : डा. आलोक अग्रवाल

गोंडा। परोपकार उस एफडी की तरह है जो जीवन में लगातार बढ़ती जाती है और बुरे समय में आपके काम आती है। जो कुछ भी आपने सीखा है वह समाज और स्वयं के हित में होगा। यह बात भारतीय रेड क्रास सोसायटी के तत्वाधान में श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज यूनिट में चल रहे प्राथमिक उपचार पर आधारित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि कालेज प्रबंध समिति के सदस्य डा. आलोक अग्रवाल ने कही।

मुख्य अतिथि ने सभी को मानव सेवा करने के लिए प्रेरित किया और मानव सेवा करने की शपथ दिलायी।

कालेज के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार पाण्डेय ने स्वयंसेवकों को अपना आशीर्वाद देते हुए बताया कि स्वयं सेवकों को हमेशा मानव सेवा के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रास सोसायटी एक परिचय विषय पर निबंध का आयोजन किया गया, जिसमें रिंकी को प्रथम, बीना को द्वितीय और ज्योति गौतम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मरीज का परिवहन विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता हुई जिसमें मधु तिवारी को प्रथम, खुशबू यादव को द्वितीय और रीना को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिसके लिए अतिथियों ने सभी स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया। शिविर के तीसरे दिन सेण्ट जान एम्बुलेन्स ब्रिगेड के कोर आफिसर आशीष शर्मा ने प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने सर्वप्रथम पट्टियों के प्रकार और उसे विभिन्न चोट की स्थितियों में बांधने को समझाते हुए बताया कि इनका ज्ञान प्राथमिक चिकित्सा करने के लिए अनिवार्य है। इसके पश्चात मरीज का परिवहन तथा घाव का प्राथमिक उपचार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मरीज के परिवहन करने के तरीके और जलने के प्रकार और उसके उपचार तथा जानवरों के काटने पर प्राथमिक उपचार करने के बारे में बताया गया। कृत्रिम श्वसन का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें किसी व्यक्ति की धड़कन या सांस रुक जाने पर सीपीआर विधि द्वारा बेहोश व्यक्ति को पुनः होश में लाया जाता है। शिविर के समापन में जनपदीय रेडक्रास सोसाइटी के कोषाध्यक्ष डा. राजेश श्रीवास्तव और सदस्य अफजल भी उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों ने विगत तीन दिनों में जो कुछ भी सीखा उसका संक्षिप्त प्रदर्शन अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का फीडबैक दुर्गा देवी चौहान, शालिनी मौर्य और महेश तिवारी ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. वीपी सिंह, डा. अमन चन्द्रा, डा. ममता शुक्ला, राकेश मिश्र और पूर्व स्वयंसेवक संदीप कुमार मिश्र, पूनम, अभिजीत यश भारती और सौरभ कुशल उपस्थित थे।